ज्ञानी प्रयितमो अतो मे... ..... भागवतपुराण (11।19।3)
ज्ञानीतु आत्मैव मे मतम्... ..... भगवद्गीता (7।10)
ज्योतिष्टोमेन स्वर्गकामो यजेत ..... आपस्तम्बश्रौतसूत्र (102।1)